बुधवार
12 नवम्बर 2025
● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 278
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

राजधानी में आयकर विभाग की

बिल्डरों, शराब कारोबारियों व स्कूल संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में आज सुबह आयकर विभाग की अचानक हुई छापेमारी से हड़कंप मच गया। यह छापेमारी शहर के प्रमुख बिल्डरों, शराब कारोबारियों व स्कूल संचालकों के ठिकानों पर की गयी है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह आयकर विभाग की टीमों ने एमकेपी रोड, द्वारका स्टोर क्षेत्र और राजपुर रोड स्थित कई ठिकानों पर अचानक छापेमारी की कार्यवाही शुरू की गयी।

बताया जा रहा है कि जिन प्रमुख लोगों के यहां यह छापेमारी की कार्यवाही चल रही है, उनमें बड़े बिल्डर राकेश बत्ता, कसीगा स्कूल के संचालक रमेश बत्ता, शराब कारोबारी कमल अरोड़ा और प्रदीप वालिया, टिकैत सहित अन्य के नाम शामिल हैं। आयकर विभाग के सूत्रों का कहना है कि कुछ समय से बिल्डिंग प्रोजेक्ट्स और शराब कारोबार में इन कारोबारियों के यहां से करोड़ों रुपये के अघोषित लेनदेन और संपत्तियों की जानकारी आयकर विभाग को मिली थी। जिसे संज्ञान में लेते हुए आयकर विभाग द्वारा एक साथ इन सभी कारोबारियों के यहां आज सुबह यह कार्यवाही की गयी है। वहीं इस मामले की खबर मिलते ही कारोबारी जगत में हड़कंप मचा हुआ है। हालांकि सूत्रों का यह भी कहना है कि आयकर विभाग के अधिकारियों द्वारा छापेमारी से संबंधित दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड की गहन पड़ताल की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक छापेमारी की यह कार्यवाही जारी थी। जिसके देर रात तक चलने की बात कही जा रही है।

पत्रकार से मारपीट के आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, हिरासत में

हमारे संवाददाता

नैनीताल। पत्रकार से मारपीट के आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। साथ ही पुलिस द्वारा आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा.मंजूनाथ टी.सी. ने जानकारी देते हुए बताया कि बीते रोज एक न्यूज रिपोर्टर दीपक अधिकारी के साथ ऊंचापुल क्षेत्र में रिपोर्टिंग के दौरान कुछ अराजक तत्वों द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें पत्रकार दीपक अधिकारी को गम्भीर चोटें आईं। वर्तमान में उनका उपचार कृष्णा हॉस्पिटल हल्द्वानी में चल रहा है। घटना के संबंध में रिपोर्टर दीपक चंद्र अधिकारी द्वारा थाना मुखानी में दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने अजीत चौहान व अनिल चौहान नामक दो व्यक्तियों के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की नीयत से हमला करने के संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बता दें कि इससे पूर्व 7 नवम्बर 2025 को एक अन्य पत्रकार के साथ गाली-गलौज व मारपीट की घटना किए जाने की बात सामने आई है। जिसका वीडियों सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसएसपी डॉ. मंजुनाथ टी.सी. ने घटना को अत्यंत निंदनीय और अक्षम्य बताते हुए तत्काल सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए साथ ही तत्काल सीओ और सम्बंधित थाना प्रभारी को घटनास्थल में भेजा गया।

❑घटना अत्यंत निंदनीय और अक्षम्यः एसएसपी

वहीं पुलिस ने मामले में तत्काल कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। एसएसपी डा. मजूंनाथ टी.सी. के अनुसार मामले की जांच प्रगति पर है, तथा जो भी तथ्य जांच में उजागर होंगे उनके आधार पर कड़ी वैधानिक कार्यवाहीकी जाएगी।

पत्रकार पर हमला करने वालों के अवैध निर्माण पर चला बुल्डोजर

नैनीताल। पत्रकार पर हमला करने वालो के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए आरोपियों द्वारा किये गये अवैध निर्माण को बुल्डोजर द्वारा ध्वस्त करा दिया गया है। बता दे कि बीते रोज एक न्यूज रिपोर्टर दीपक अधिकारी के साथ ऊंचापुल क्षेत्र में इस अवैध निर्माण की रिपोर्टिंग के दौरान कुछ अराजक तत्वों द्वारा मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था, जिसमें पत्रकार दीपक अधिकारी को गम्भीर चोटें आईं वर्तमान में उनका उपचार कृष्णा हॉस्पिटल हल्द्वानी में चल रहा है। मामले के संज्ञान में आने पर प्रशासन द्वारा आज उस अवैध निर्माण को बुल्डोजर द्वारा ध्वस्त कर दिया गया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

पहाड़ प्रेम की राजनीति

सूबे के तमाम माननीय विधायकों को पहाड़ से इतना प्रेम है कि वह पहाड़ के हित और कल्याण के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। बस उन्हें मौका मिलना चाहिए। इसकी बानगी हमें रजत जयंती पर आयोजित उस विधानसभा सत्र के दौरान देखने को मिली जब इस विशेष सत्र में इन माननीयों को अपनी भावनाओं और उद्गारो को अभिव्यक्त करने का अवसर मिला। सत्तारूढ़ दल भाजपा के विधायकों के विचार सुनकर तो ऐसा लगा कि उन्हें जैसे इस अवसर की लंबे समय से तलाश थी। पहाड़ प्रेम के प्रदर्शन की रौ में यह नेता इस कदर बह गए कि उन्हें इस बात का भी होश नहीं रहा कि वह जो कुछ कह रहे हैं वह उनकी पार्टी और सरकार के लिए ही मुसीबत का सबब बन सकता है। भले ही राज्य में लंबे समय से पहाड़ बनाम मैदान के मुद्दे पर राजनीति होती रही हो लेकिन इस विशेष सत्र में बसपा विधायक शहजाद के उस बयान जिसमें उन्होंने सिर्फ यह कह दिया था कि पहाड़ प्रेम का राग अलापने वाले यह पहाड़ के नेता चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले मैदान में अपने लिए आशियाना बनाने और बसने का काम क्यों करते हैं? बस फिर क्या था तमाम नेता पहाड़ और मैदान के मुद्दे पर इस कदर टूट पड़े कि मूल निवास प्रमाण पत्र से लेकर टिहरी विस्थापित, गंगा का जल तक पहाड़ और मैदान की इस जंग का हिस्सा बन गया। विधायक शहजाद ने सही मायनों में एक ऐसा सच सामने रखा था जिसे माननीय पचा नहीं पाते हैं। यहां उन तमाम विधायकों के नाम नहीं लिखे जा सकते हैं जो मूल रूप से पहाड़ के सीमांत जिलों के रहने वाले हैं तथा चुनाव भी वहीं से जीत कर विधायक बने हैं लेकिन उन्होंने अपने रहने और बच्चों के पढ़ने लिखने का इंतजाम दून, हरिद्वार या फिर नैनीताल में कर रखा है। पहाड़ पर अब इनका आना-जाना सिर्फ सैलानियों की तरह पहाड़ दर्शन के लिए होता है। पहाड़ की धरती से लेकर विधानसभा तक कोई एक भी व्यक्ति पहाड़ के इन नेताओं को बर्दाश्त नहीं है। उनके उद्गारो से यह बात साफ हो चुकी है। यह बात अलग है कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में पहाड़ का मुख्यमंत्री होना उनके लिए गर्व की रही हो और देश के तमाम राज्यों में पहाड़ के लोग नौकरी करते रहते हो लेकिन उत्तराखंड में उन्हें कहीं भी कोई भी कतई बर्दाश्त नहीं है। दरअसल इस पहाड़ और मैदान की आग को भड़काने का काम भी इन विधायकों द्वारा अपने निजी और राजनीतिक लाभ के लिए ही किया जा रहा है। कोई इसके जरिए मंत्री की कुर्सी तक पहुंचाना चाहता है तो कोई 2027 के लिए अपना टिकट पक्का करने के जुगाड़ में है। सही मायने में इन्हें पहाड़ से कुछ भी लेना-देना नहीं है। अगर ऐसा होता तो पहाड़ की राजधानी एक दशक पूर्व गैरसैंण बन गई होती जो कि इन नेताओं की राजनीति के फेर में अब तक अटकी है और अटकी ही रहेगी। राज्य में न खनन माफिया का राज होता न शराब माफिया और न ही भू माफिया और नकल माफिया की पौ बारह होती। राज्य को इन तमाम कल्याणकारी योजनाओं की सौगात देने वाले भी तो पहाड़ के वह नेता ही है जो पहाड़ प्रेम की बात करते नहीं थकते हैं। थूक जिहाद, लव जिहाद, कालनेमि और डेमोग्राफी चेंज जैसे मुद्दे पैदा करके तथा पहाड़ बनाम मैदान के मुद्दों को चुनावी मुद्दा बनाने के जो प्रयास हमारे माननीयों द्वारा किए जा रहे हैं वह चिंतनीय है उनसे राज्य का कोई भला नहीं हो सकता है।

डीएम के प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष' से आधुनिक शिक्षा- सुविधायुक्त बने सरकारी स्कूल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रोजेक्ट उत्कर्ष अन्तर्गत देहरादून जिले के सरकारी स्कूल अब सुविधा सम्पन्न हो गए हैं। जिलाधिकारी स्वंय इन कार्यों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में जिलाधिकारी सविन बसंल ने जिले के सरकारी स्कूलों को सुविधायुक्त करने तथा निजी स्कूलों के समान सुविधाओं के लिए कमर कसी तथा जिले की कमान संभालते ही स्वास्थ्य, शिक्षा की के क्षेत्र में कार्य किए। जिला प्रशासन ने सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधायुक्त बनाने के लिए प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष'' के माध्यम से मिशन के रूप में कार्य किया तथा निरंतर कार्यों की समीक्षा की उसी का नतीजा रहा है जिले के सरकारी स्कूल, अवस्थापना, उपकरण, खेल सुविधाओं से युक्त हो रहे हैं। बच्चों को शिक्षा के साथ ही खेल से भी जोड़े रखने हेतु सरकारी स्कूलों में खेल अवस्थापना सुविधा स्थापित की गई है।

प्रोजेक्ट ''उत्कर्ष'' के तहत् जनपद के सभी सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लसारूम, लाईब्रेरी, वाइटबोर्ड, कक्षाओं में एलईडी बल्ब, खेल मैदान विद्यालयों में शुद्ध पेयजल के लिए 379 टंकी, 820 मंकी नेट लगाए गए हैं। प्राथमिक विद्यालय में 428 बेबी स्लाईड, 321 झूले, माध्यमिक विद्यालयों में 77 बॉलीबॉल, 129 बैडमिंटन कोर्ट, 474 विद्यालयों में ज्ञानवर्धक पेंटिंग्स बनाए गए हैं। ओएनजीसी द्वारा 34 विद्यालयों में 1974 फर्नीचर सेट, हुडको द्वारा 629 प्राथमिक विद्यालयों में 567 फर्नीचर सेट लगाए गए है। वहीं जिला खनिज न्यास से 39 प्राथमिक विद्यालयों तथा 80 माध्यमिक विद्यालयों के लिए 4260 फर्नीचर सेट प्रदान किए गए हैं। 168 विद्यालयों में डिजिटल लर्निंग हेतु स्मार्ट टीवी लगाने की प्रक्रिया गतिमान है। साथ ही जिले के तीन कस्तूरबा गांधी बोर्डिंग विद्यालय त्यूनी, कोराबा, कालसी सुविधा सम्पन्न हो रहे है, जिनमें डिजिटल स्मार्ट बोर्ड, प्रिन्टर, इन्टरनेट कनैक्शन, इन्वर्टर, सीसीटीवी कैमरे, डीवीआर, फर्नीचर, डाईनिंग टेबल, स्टडी टेबल, डबल डेकर बोर्ड, वाटर प्यूरीफायर, वाशिंग मशीन, रेफ्रीजरेटर, रोटीमेकर, वाटर गीजर, बच्चों के ट्रेकसूट, स्पोर्टस शूज, उपलब्ध कराए जा रहे है। केजीबीवी कोरवा में डिजिटल बोर्ड, 100 कुसी टेबल, 16सीसीटीवी कैमरा, 30 रूम हीटर, 4 वाटर प्यूरीफायर, रोटीमेकर, इन्टरनेट कनैक्शन वाईफाई, 19 डाईनिंग टेबल 150 कुर्सी की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। तथा विद्यालय में कम्प्यूटर आपरेटर तथा सफाई हेतु कार्मिक रखे गए हैं जिनका वर्ष में 4 लाख मानदेय का प्राविधान किया गया है। 4 वाशिंग मशीन, 1 रेफ्रीजरेटर, इन्वर्टर,

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

रेस्टोरेंट से शराब बरामद, एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने रेस्टोरेंट से शराब बरामद कर रेस्टोरेंट मालिक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि गुमानीवाला में एक रेस्टोरेंट में शराब पिलायी व बेची जाती है। जिसके बाद पुलिस ने रेस्टोरेंट में छापा मारा तो वहां से 80 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पुलिस ने रेस्टोरेंट मालिक सुनिल कुमार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भारी मात्रा में गांजे सहित एक दबोचा

हरिद्वार (हसं)। धर्मनगरी में गांजा तस्करी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 2 किलो 98 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना श्यामपुर पुलिस को सूचना मिली कि कोई नशा तस्कर क्षेत्र में गांजे की तस्करी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को गौरीशंकर पार्किंग चण्डीघाट एक समीप एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 2 किलो से अधिक गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय पुत्र सुनील निवासी कबाडी बस्ती चण्डीघाट माजरा थाना श्यामपुर जिला हरिद्वार बताया। बताया कि वह बरामद गांजे को शिवा उर्फ लडडू पुत्र महेन्द्र निवासी ग्राम कांगडी थाना श्यामपुर जनपद हरिद्वार से लाया था। पुलिस अब शिवा की तलाश में जुटी हुई है। वहीं गिरफ्तार अजय को एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में गिरफ्तार कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

महिला विश्व कप विजेता क्रिकेटर स्नेह राणा ने की मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की सदस्य एवं उत्तराखंड की गौरव, क्रिकेटर स्नेह राणा ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने स्नेह राणा को भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि पूरे देश और उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि स्नेह राणा ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और संघर्षशीलता से देश और प्रदेश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है।

स्नेह राणा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की ओर से खिलाड़ियों को जो सहयोग मिल रहा है, उससे राज्य में खेलों का वातावरण और अधिक सशक्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने स्नेह राणा को आगे की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनकी यह उपलब्धि उत्तराखंड की खेल प्रतिभाओं के लिए एक नया प्रेरक अध्याय है।

धर्म ध्वजा जब नारी के हाथ में होती है तो धरती पर राम कथा उतरती है: धस्माना

संवाददाता

देहरादून। आज यहां झाझरा में बद्री केदार रामलीला समिति द्वारा आयोजित राम कथा में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि त्रेता युग में जब भगवान भोलेनाथ सती जी को कुम्भज ऋषि के आश्रम में राम कथा सुनने के लिए ले गए तो अनमने मन से सती जी ने कथा तो सुनी किंतु भगवान राम की प्रभुता पर शंका कर उनकी परीक्षा लेने वन में सीता जी का रूप धर चली गई और भगवान राम द्वारा उनको पहचान लेने से क्षुब्ध सती जी को दक्ष प्रजापति के द्वारा आयोजित यज्ञ कुंड में स्वाह होना पड़ा लेकिन जब पुनर्जन्म के बाद पार्वती जी भगवान शंकर को राम कथा सुनाने ले गईं तो इस धरा को राम कथा जैसी अद्भुत दिव्य कथा मिली। उन्होंने कहा कि भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा गया कि उन्होंने मानव

रूप में अवतरित हो कर जिन मर्यादाओं का पालन पूरे जीवन पर्यंत किया उसका अनुसरण सभी पुरुष करें। धस्माना ने कहा कि राम कथा मनुष्य को जीवन में जीने का तरीका सिखाती है और इस कथा का सबसे बड़ा संदेश और सार यह है कि सत्य अटल है सत्य हमेशा रहता है और असत्य कितना भी धन बल शाली क्यों ना हो वो सत्य से जीत नहीं सकता। धस्माना ने रामलीला समिति के पदाधिकारियों द्वारा उनके सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा कि वे हमेशा उनके विश्वास को कायम रखने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में समिति के संरक्षक सैन सिंह, अध्यक्ष शिशुपाल सिंह रावत, उपाध्यक्ष सचिन बड़वाल, सचिव दिलीप पंवार व संचालक सुशील गोदियाल ने धस्माना को शाल पहना कर व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया महिलाओं ने धस्माना को तिलक कर पुष्प गुच्छ भेंट किए। धस्माना ने दीप प्रज्वलित कर व रिबन काट कर रामलीला का शुभारंभ किया।

हॉर्मोन की कमी को कैसे बढ़ाएं

एस्ट्रोजेन महिलाओं के शरीर में विशेष रूप से पाया जाने वाला एक हॉर्मोन है। इस हॉर्मोन के कारण ही युवावस्था में महिलाओं का शरीर विकसित होता है। यह हॉर्मोन महिला के प्रजनन अंगों को विकसित करने में मदद करता है। यहां तक कि यह महिलाओं में उनके पीरियड्स के साथ-साथ प्रेग्नेंसी से भी जुड़ा हुआ है। एस्ट्रोजेन हॉर्मोन अंडाशय द्वारा निर्मित होता है, लेकिन लाइफस्टाइल में कुछ गलतियां या स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से आपके शरीर में एस्ट्रोजन का उत्पादन प्रभावित हो सकता है, जो एक गंभीर समस्या है।

इटिंग डिसऑर्डर वाले लोग या जो ज्यादा एक्सरसाइज करते हैं और या फिर अंडाशय या किडनी से संबंधित समस्याओं से पीड़ित होते हैं, उनमें अक्सर कम एस्ट्रोजेन की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, कभी-कभी कुछ दवाएं आपके एस्ट्रोजन के उत्पादन को भी प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में कम एस्ट्रोजन के स्तर की वजह से आपके मिजाज में असर पड़ता है और आप सिरदर्द, थकान और अनियमित पीरियड्स जैसी समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं।

यह आपकी हड्डियों को कमजोर कर सकता है और बोन डेंसिटी को कम कर सकता है। यही कारण है कि यदि आपके एस्ट्रोजन का स्तर कम है, तो आप अपने एस्ट्रोजन के स्तर को बनाए रखने के लिए कई प्राकृतिक तरीकों से उसे बढ़ा सकते हैं। आइए आपको बताते हैं एस्ट्रोजन को बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों के बारे में।

हर्बल चाय

हर्बल चाय जैसे कि रेड क्लोवर लाल, थाइम, और वर्बेना जैसी चाय आपके शरीर में एस्ट्रोजेन के उत्पादन को प्रोत्साहित करने और बढ़ाने के लिए जानी जाती हैं। यदि आप इन हर्बल टी का सेवन नियमित रूप से करते हैं, तो इससे एस्ट्रोजन लेवल को बढ़ाया जा सकता है। इनमें फाइटोएस्ट्रोजेन भी होते हैं, जो एस्ट्रोजेन के उत्पादन को प्रभावित करते हैं और सुधारते हैं।

बीज

कुछ ऐसे बीज भी हैं, जो आपके एस्ट्रोजन लेवल को बढ़ा सकते हैं जैसे कि अलसी के बीज या फिर तिल, ये सब लो एस्ट्रोजन वाले लोगों के लिए बहुत अच्छे माने जाते हैं। यह एस्ट्रोजन और फाइटोएस्ट्रोजन के स्रोत के रूप में जाने जाते हैं जो आपके डाइट के लिए एकदम सही विकल्प हैं। ये बीज आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को सुधारने में भी मदद करेंगे और आपके शरीर को स्वस्थ रखने में भी मददगार हैं।

ड्राई फ्रूट्स और मेवे

खजूर, प्रून, खुबानी, पिस्ता और अखरोट ऐसे ड्राई फ्रूट्स और नट्स हैं जो हमारे शरीर के लिए सेहतमंद माने जाते हैं। यह हेल्दी ड्राई फ्रूट्स और मेवे एक पावर-पैक स्नैक्स भी हैं। इसके अलावा, ये एस्ट्रोजन का एक समृद्ध स्रोत है और आपके शरीर में एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ाते हैं।

पहली मुलाकात में इन सवालों से करें शुरुआत, बातें होगी लंबी, गहरा होगा रिश्ता

कहते हैं जब किसी इंसान को दिल से चाह लो तो पूरी कायनात उसे आपसे मिलाने में लग जाती है। चाहे बात नौकरी की हो या फिर किसी खास से मिलने की। किसी खास पर फोकस कर लिया जाए तो इंसान उसे पा ही लेता है। नौकरी की बात अलग है, लेकिन जब बात किसी खास से मिलने की आती है तो मन में एक अजब सी घबराहत, हिचकिचाहट और कई सारे सवाल आते हैं।

जब किसी खास से मिलने की बात आती है तो सवाल आता है कि आखिरकार शुरुआत कैसी की जाए, ये समझना उतना ही मुश्किल होता है, जितना मंगल ग्रह पर पानी खोजना। मन के उलझे हुए सवालों के कारण हम कई बार हम कुछ भी बोल देते हैं, जिससे बात बिगड़ सकती है। इसलिए आज हम आपको बताने जा रहे हैं कुछ खास सवाल जिससे आप बातों की शुरुआत अच्छी कर सकते हैं और पहली मुलाकात में ही रिश्तों को गहरा कर सकते हैं।

अपनी कहानी के बारे में बताइए?

किसी से पहली मुलाकात का यह ओपेन इंडेड सवाल बहुत खास होता है। इससे सामने वाले इंसान के बाले में बहुत कुछ पता करने का मौका मिलता है। ऐसा माना जाता है कि एक इंसान को जितना आनंद स्वादिष्ट खाने में आता है, उतना ही अच्छा अपने बारे में किसी को बताने में लगता है।

सबसे नजदीकी इंसान के बारे में।।।

इंसान का चरित्र के बारे में पता लगाने का सबसे आसान तरीका है इस बात की पहचान करना कि वो दूसरों से कैसा बर्ताव करता है। इसलिए सबसे पहले उस इंसान के बारे में जानिए जो सबसे खास हो। ऐसा करने से सामने वाले के व्यवहार के बारे में बातें पता चलती हैं।

नई रिलीज में कौन सी फिल्म पसंद आई?

आजकल लोगों को फिल्मों में काफी इंटरस्ट होता है, इसलिए नई रिलीज फिल्मों के बारे में उससे जानिए।

खाने बनाना पसंद है या खाना?

हो सकता है कि एक पल के लिए ये सवाल थोड़ा सा अटपटा लगे, लेकिन वाजिब है। इस दुनिया में कई तरह के लोग हैं, किसी को खाना बनाना पसंद होता है और किसी को खाना। जाहिर सी बात है जब पहली मुलाकात होगी तो खाने के बारे में बात तो होगी ही। इसलिए शुरुआत यहां से भी की जा सकती है।

रोना भी सेहत के लिए है फायदेमंद

बहुत से लोगों को ऐसा लगता है कि रोना कमजोरी की निशानी है और शायद यही वजह है कि पुरुष तकलीफ होने पर भी आंसू बहाने और रोने से परहेज करते हैं। लेकिन साइंस की मानें तो रोने के ढेर सारे फायदे हैं। जिस तरह खुलकर हंसना सेहत के लिए फायदेमंद है, ठीक उसी तरह फूट फूट कर रोना भी बेहद जरूरी है। रोना भी आपकी सेहत को उतना ही फायदा देता है, जितना हंसना। लेकिन आखिर आप और हम रोते क्यों है? रोने और आंसू आने के पीछे की वजह क्या है? रोने के क्या-क्या फायदे हैं, यहां जानें।

शरीर और दिमाग दोनों के लिए फायदेमंद

रोना एक सामान्य ह्यूमन ऐक्शन है जो हमारे अलग-अलग इमोशन्स की वजह से ट्रिगर होता है। जब हम दुखी होते हैं, उदास होते हैं, किसी बात को लेकर टेंशन या स्ट्रेस में होते हैं तो इन अलग-अलग भावनाओं की वजह से रोना आ जाता है। अनुसंधानकर्ताओं की मानें तों रोना आपके तन के साथ-साथ मन के लिए भी फायदेमंद है और इसकी शुरुआत तभी से हो जाती है जब बच्चा जन्म लेते वक्त पहली बार रोता है।

एक स्टडी के मुताबिक, जिस तरह से पसीना और यूरिन जब शरीर के बाहर निकलते हैं तो शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं, वैसे ही आंसू आने पर भी आंखों की सफाई हो जाती है। आपको बता दें कि आंसू 3 तरह के होते हैं।

अनैच्छिक आंसू तब निकलता है जब आंखों में कोई कचरा, धूल के कण या धुंआ चला जाए तो आंखों से पानी आने लगता है।

बुनियादी आंसू जिसमें 98 प्रतिशत पानी होता है, यह आंखों को लुब्रिकेट रखता है और इंफेक्शन से बचाता है।

भावनात्मक आंसू जिसमें स्ट्रेस हॉर्मोन्स और टॉक्सिन्स की मात्रा सबसे अधिक होती है और इनका बह जाना फायेदमंद होता है।

रोने से खुद को शांत करने में मिलती है मदद

खुद को सांत्वना देने और शांत करने का बेस्ट तरीका है रोना। 2014 में हुई एक स्टडी से जुड़े अनुसंधानकर्ताओं की मानें तो रोने से हमारे शरीर में पैरासिम्थेटिक नर्वस सिस्टम (पीएनएस) उत्तेजित हो जाता है और इसी पीएनएस की वजह से शरीर को आराम करने और डाइजेशन में मदद मिलती है। रोने के फायदे आपको तुरंत नजर नहीं आएंगे। लेकिन अगर आप कुछ देर तक आंसू बहाएं तो आपको खुद में रोने के फायदे नजर आएंगे।

रोने से दर्द होता है कम

लंबे वक्त तक रोने से ऑक्सिटोसिन और इन्डॉर्फिन जैसे केमिकल्स रिलीज होते हैं। ये फील गुड केमिकल हैं जिससे शारीरिक और भावनात्मक दोनों ही तरह के दर्द को कम करने में मदद मिलती है। एक बार जब ये केमिकल्स रिलीज हो जाते हैं तो ऐसा लगता है मानो शरीर सुन्न की अवस्था में पहुंच जाता है। ऑक्सिटोसिन हमें राहत का अहसास कराता है और इसी वजह से रोने के बाद हमारा मन शांत हो जाता है।

मूड होता है बेहतर

दर्द दूर करने के साथ-साथ रोने से आपका मूड भी बेहतर होता है और आपको बेहतर महसूस होता है। जब आप रोते हैं या सिसकियां लेते हैं तो ठंडी हवा के कुछ झोंके शरीर के अंदर जाते हैं जिससे ब्रेन का तापमान कम होता है और शरीर का तापमान भी रेग्युलेट होने लगता है। जब आपका दिमाग ठंडा हो जाता है तो आपका मूड भी बेहतर हो जाता है।

रोने से स्ट्रेस कम होता है

जैसा कि हमने आपको पहले ही बताया जब आप किसी इमोशनल वजह से रोते हैं तो आपके आंसूओं में स्ट्रेस हॉर्मोन्स और दूसरे केमिकल्स की मात्रा सबसे अधिक होती है। ऐसे में रोने से शरीर में इन केमिकल्स की मात्रा कम होती है क्योंकि ये केमिकल्स आंसूओं के जरिए आंखों से बह जाते हैं जिससे आपका स्ट्रेस कम होता है।

आंखों की रोशनी बनी रहती है

आंसू आंखों में मेमब्रेन को सूखने नहीं देते। इसके सूखने की वजह से आंखों की रोशनी में फर्क पड़ता है, जिस वजह से लोगों को कम दिखना शुरू हो जाता है। मेमब्रेन सही बना रहता है, तो आंखों की रोशनी लंबे समय तक ठीक बनी रहती है।

केले से तैयार हेयर मास्क बन सकते हैं बालों की कई समस्याओं का इलाज

केला आवश्यक विटामिन, मैग्नीशियम, पोटैशियम और सिलिकॉन का बेहतरीन स्रोत है, जो इसे बालों की देखभाल के लिए आदर्श फल बनाते हैं। इसमें मौजूद सिलिकॉन यौगिक स्कैल्प को मॉइस्चराइज करके बालों को मजबूती देने और चमकदार बनाने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त यह डैंड्रफ को दूर रखने में मददगार हो सकता है। आइए आज हम आपको पांच तरह के केले के मास्क बनाने के तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल बालों के लिए फायदेमंद है।

केले और एवोकाडो का हेयर मास्क

यह हेयर मास्क रूखे बालों के लिए आदर्श है। इसमें मौजूद उच्च स्तर का प्रोटीन बालों को नमीयुक्त बनाए रखने के साथ उनके विकास के लिए महत्वपूर्ण है। लाभ के लिए आधे पके एवोकाडो, एक पका केला और दो चम्मच नारियल तेल मिक्सी में डालकर पीसें। इसके बाद अपने साफ बालों में मास्क लगाकर शॉवर कैप लगाएं और 30 मिनट के बाद सिर को गुनगुने पानी से धो लें। इसके बाद सिर को शैंपू से साफ करें।

केले और जैतून के तेल का हेयर मास्क

जैतून के तेल में मौजूद मॉइस्चराइजिंग गुण बालों का झड़ना और दोमुंहे बालों को कम करने में मदद कर सकते हैं। हेयर मास्क बनाने के लिए एक पके केले का पेस्ट और दो बड़ी चम्मच जैतून के तेल को आपस में मिलाकर अपने बालों की जड़ों में लगाएं। अब अपने बालों को एक ढीले जूड़े में बांध लें। 30 मिनट के बाद अपने सिर को ठंडे पानी और शैंपू से साफ कर लें।

केले और शहद का हेयर मास्क

यह हेयर मास्क पतले बालों के लिए आदर्श है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण बालों को मजबूती दे सकता है। लाभ के लिए एक पके केले को कटोरी में अच्छी तरह मैश करें और फिर इसमें आधा चम्मच शहद मिलाएं। अब अपने बालों को सेक्शन में बांटकर हेयर मास्क को जड़ों से सिरों तक लगाएं। इसके बाद सिर को शॉवर कैप से ढक लें। 20-30 मिनट के बाद सिर को गुनगुने पानी और शैंपू से साफ कर लें।

केले और एलोवेरा का हेयर मास्क

एलोवेरा में मौजूद विटामिन- ए, बी, सी और ई डैंड्रफ से बचाने के साथ बालों के प्राकृतिक रंग को बढ़ाने में मदद करता है। हेयर मास्क के लिए दो पके केले और ताजा एलोवेरा का गूदा मिक्सी में डालकर बारीक पीसें। इस मिश्रण को साफ सिर पर अच्छे से लगाएं। अब सिर को शॉवर कैप से ढक लें। दो घंटे के बाद बालों को ठंडे पानी से धो लें और अच्छी तरह शैंपू कर लें।

गाजर और केले का हेयर मास्क

यह हेयर मास्क बालों के विकास को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक पके केले का पेस्ट, एक गाजर का पेस्ट, दो बड़ी चम्मच शहद और एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाकर इस मास्क को स्कैल्प और बालों की पूरी लंबाई पर लगाएं। 45 मिनट के बाद सिर को ठंडे पानी से धो लें और इसके बाद हल्के शैंपू से सिर को साफ कर लें।

स्पाइडर वेंस से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं ये 5 घरेलू नुस्खे

स्पाइडर वेंस पैरों और चेहरे पर होने वाली समस्या है। यह मुड़ी हुई रक्त वाहिकाओं से होती है और इसे टेलैंजिक्टासिया भी कहा जाता है। ये लाल, बैंगनी या नीले रंग की होती हैं और इसके कारण प्रभावित जगह पर दर्द भी हो सकता है। अमूमन यह समस्या 50 वर्ष से अधिक उम्र में होती है, लेकिन अब युवाओं में भी इसका प्रभाव दिख रहा है। आइए आज हम आपको इससे राहत पाने के लिए 5 घरेलू नुस्खे बताते हैं।

विच हेजल का करें इस्तेमाल- विच हेजल में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण स्पाइडर वेंस के दुष्प्रभाव कम करने में मदद कर सकता है और इससे होने वाले दर्द के साथ-साथ सूजन भी कम कर सकता है। लाभ के लिए कॉटन पैड से विच हेजल तेल को प्रभावित हिस्से पर लगाएं और 20 से 30 मिनट के लिए छोड़ दें। इसे रोजाना 2 से 3 बार स्पाइडर वेंस पर लगाएं। इससे आपको कुछ ही दिनों में आराम महसूस होने लगेगा।

एप्सम नमक आएगा काम- एप्सम नमक अपने डिटॉक्सिफाइंग और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए जाना जाता है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम स्पाइडर वेंस का इलाज करने में मदद करती है और उनकी उपस्थिति कम कर सकती है। लाभ के लिए नहाने के पानी में 2 से 3 कप एप्सम नमक मिलाएं, फिर इससे पैरों को धोएं। वैकल्पिक रूप से पानी से भरी बाल्टी में एक कप एप्सम नमक मिलाकर इसमें पैरों को डूबोकर बैठें। ऐसा सप्ताह में 3-4 बार जरूर करें।

ठंडी सिकाई करें - स्पाइडर वेंस के दुष्प्रभाव कम करने के लिए ठंडी सिकाई के तौर पर बर्फ का इस्तेमाल करना लाभदायक है। बर्फ में कई ऐसे गुण होते हैं जो इस समस्या को दूर करके आराम दे सकते हैं। इसके लिए एक मुलायम तौलिए या फिर सूती कपड़े में बर्फ का एक टुकड़ा लपेटें और इसे प्रभावित हिस्से पर हल्के हाथों से 1 से 2 मिनट तक मलें। इस प्रक्रिया को दिन में दो से तीन बार दोहराएं।

लहसुन आएगा काम- लहसुन में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाकर स्पाइडर वेंस का इलाज करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए लहसुन की 6 कलियां लें और उन्हें पीसकर बारीक पेस्ट बना लें। इसके बाद पेस्ट को रबिंग अल्कोहल की कुछ बूंदों के साथ मिलाएं और इससे प्रभावित जगह पर मालिश करें। 15-30 मिनट के बाद त्वचा को पानी से धो लें। बेहतर परिणाम के लिए आप अपने आहार में लहसुन को शामिल भी कर सकते हैं।

हरा टमाटर भी कर सकता है मदद- हरे टमाटर के बीजों में एक अम्लीय पदार्थ होता है, जो शरीर के ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाकर स्पाइडर वेंस के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है। सबसे पहले टमाटर को धोकर काटें और इसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। उसके बाद इस पर एक लंबी पट्टी लपेटें। इसे तब तक लगा रहने दें जब तक आपको ढके हुए हिस्से में झुनझुनी महसूस न हो। इसके बाद पट्टी हटाएं और अपनी त्वचा को पानी से अच्छी तरह धो लें।

एनर्जी ड्रिंक्स घर पर बनाना है बेहद आसान, जानें 5 रेसिपी

आजकल बाजार में कम कीमत पर अलग-अलग स्वाद वाली एनर्जी ड्रिंक्स उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें से अधिकतर का सेवन स्वास्थ्य को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में बाजार से खरीदने की बजाय घर पर ही एनर्जी ड्रिंक्स बनाकर पीना लाभदायक है। आइए आज हम आपको एनर्जी ड्रिंक की 5 आसान रेसिपी बताते हैं। ये ड्रिंक्स शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित करने के साथ-साथ थकान को तुरंत दूर करने में मदद कर सकती हैं।

अदरक और इलायची वाली एनर्जी ड्रिंक - अदरक और इलायची के गुणों से भरपूर एनर्जी ड्रिंक का सेवन आपको दिनभर तरोताजा रखने में मदद करेगा। अदरक और इलायची दोनों ही मेटाबॉलिज्म और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। एनर्जी ड्रिंक बनाने के लिए सबसे पहले एक कप में अदरक के दो पतले स्लाइस और थोड़ा अदरक का रस डालें, फिर इसमें गर्म पानी, हल्दी पाउडर, हरी इलायची का पाउडर और शहद मिलाएं। अब इस ड्रिंक का आनंद लें।

अनानास और संतरे की एनर्जी ड्रिंक - इससे न सिर्फ आपके शरीर को भरपूर ऊर्जा और ठंडक मिलेगी, बल्कि यह एक हाइड्रेटिंग ड्रिंक भी है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले अनानास और संतरे को छीलकर टुकड़ों में काट लें, फिर इन्हें एक जूसर में डालकर पीसें। अब जूस को बारीक छन्नी से छानकर गिलास में डालें और फिर गिलास में बर्फ के कुछ टुकड़े डालें। अब इस ताजी और ठंडी-ठंडी ड्रिंक का सेवन करें।

केला और पालक की स्मूदी - केले और पालक की स्मूदी का सेवन भरपूर ऊर्जा देने के साथ-साथ काफी देर तक आपका पेट भरा रख सकती है। इस स्मूदी को बनाने के लिए सबसे पहले एक ब्लेंडर में लो फैट दूध, दही, केला, ताजा पालक और पीनट बटर अच्छे से ब्लेंड करें। आप चाहें तो इस स्मूदी में बर्फ के कुछ टुकड़े और शहद भी डाल सकते हैं। इसके बाद स्मूदी का सेवन करें।

हिबिस्कस आइस टी - हिबिस्कस यानी गुड़हल की आइस टी बनाने के लिए सबसे पहले एक पैन में पानी और एक चौथाई कप सूखे गुड़हल के फूल डालकर उबालें और जब पानी आधा हो जाए तो गैस बंद करके मिश्रण को छानकर गिलास में डालें। इसके बाद इसमें स्वादानुसार शुगर सीरप या शहद और ठंडा पानी मिलाएं, फिर इसमें बर्फ के कुछ टुकड़े और पुदीने की पत्तियां डालकर इसका सेवन करें।

नाश्ते के लिए बेस्ट है दलिया, पूरे शरीर को देगा एनर्जी का फुल डोज

हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाने के लिए सबसे पहला कदम है अच्छा खाना। समय कम है लेकिन खाना हेल्दी और टेस्टी होना चाहिए और कम समय में बनकर तैयार होना चाहिए। इसके लिए सबसे अच्छा ऑप्शन है दलिया, जिसे अलग-अलग तरीकों से बनाया जा सकता है और उसकी पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। ये एक ऐसा सुपरफूड है जिसे हर उम्र के लोग खा सकते हैं, लेकिन किस समय दलिया खाना चाहिए, ये जानना भी बहुत जरूरी है। दलिया पचने में आसान होता है और यह शरीर को फायदा पहुंचाता है।

दलिये में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने की क्षमता होती है, जिससे कोलेस्ट्रॉल का खतरा कम होता है और दिल पर दबाव कम पड़ता है। इसके साथ ही दलिया में मैग्नीशियम और पोटेशियम भी होते हैं, जो काफी हद तक हाई बीपी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। दलिया का सेवन करने से वजन भी नहीं बढ़ता है, क्योंकि इसे बहुत ही हल्का खाना माना गया है। दलिया में फाइबर और कैलोरी दोनों होती हैं, जो जल्दी भूख नहीं लगने देती और वजन भी बढ़ने नहीं देती।

दलिया पाचन तंत्र को ठीक तरीके से चलाने में मदद करता है। दलिया में दो तरह के फाइबर मौजूद होते हैं, पहला घुलनशील फाइबर और दूसरा अघुलनशील फाइबर। इससे कब्ज की समस्या भी दूर होती है। अगर आप खून की कमी से जूझ रहे हैं तो दलिया बेहतरीन ऑप्शन हो सकता है। दलिया में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, जो शरीर में एनीमिया की कमी को दूर करता है और रक्त कोशिकाओं के निर्माण में भी अहम भूमिका निभाता है।

दलिया खाने में लाभकारी है, लेकिन इसका बनाने का तरीका भी खाने के फायदे को दोगुना बना सकता है। दलिया को दूध के साथ बनाएं, लेकिन इसमें चीनी का इस्तेमाल न करें, बल्कि गुड़ या शहद डालें। साथ ही, उसमें सूखे मेवे भी डाल सकते हैं। इसके अलावा, मूंग दाल वाला दलिया भी बना सकते हैं। मूंग दाल का दलिया सबसे ज्यादा पौष्टिक होता है क्योंकि इसमें प्रोटीन और फाइबर एक साथ ही मिल जाते हैं। दोनों को नाश्ते से लेकर डिनर तक में ले सकते हैं।

सब्जियों से बना दलिया भी सेहत के लिए अच्छा रहता है। पालक, गाजर, और मटर के साथ भी दलिया बनाया जा सकता है। इससे दलिया में सारी हरी सब्जियों के गुण आ जाएंगे। इसे आप रात और दिन कभी भी खा सकते हैं। दलिया खाते समय कुछ सावधानियां भी बरतनी चाहिए। दलिया का ज्यादा सेवन भी पेट को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में दस्त, उल्टी और कब्ज की समस्या हो सकती है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -047

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

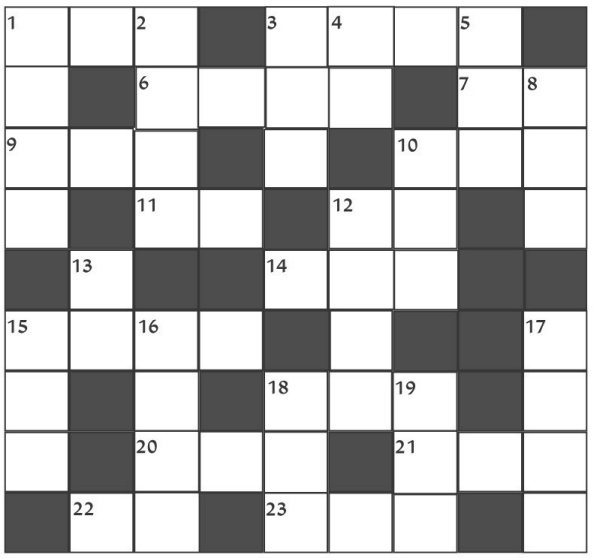

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 46 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

धनुष ने साइन की एक और फिल्म, डी56 एक महान युद्ध की शुरुआत

रांझणा फिल्म से हर दर्शक के दिलों में खास जगह बना चुके साउथ अभिनेता धनुष अपनी कई आगामी फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में उनकी फिल्म तेरे इश्क में की एक झलक ने सभी फैंस को खुश कर दिया था। वहीं अब धनुष ने अपनी एक और आगामी फिल्म की घोषणा सोशल मीडिया पर की है, जिसकी एक झलक पाकर ही फैंस की उत्सुकता फिल्म को लेकर बढ़ गई है। धनुष ने अपनी आगामी फिल्म डी56 के बारे में एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में कई साल पुरानी एक तलवार दिखाई दे रही है, जिसके ऊपर कंकाल की खोपड़ी लगी हुई है। यह देखने में बहुत ही भयानक दिख रहा है। इस तस्वीर के साथ लिखा है एक महान युद्ध की शुरुआत। यह फिल्म मारी सेल्वराज की फिल्म है। धनुष के फैंस को डी56 का थीम पोस्टर काफी अच्छा लगा। एक यूजर ने लिखा, मुझे इस फिल्म का इंतजार रहेगा, एक और यूजर ने लिखा, आल द बेस्ट धनुष, एक और यूजर ने लिखा, देखने में मजेदार लग रहा है। डी56 के नाम से साफ है कि यह धनुष की 56वीं फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन मारी सेल्वराज करेंगे। निर्माताओं ने थीम पोस्टर जारी करके फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। डी56 एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। इस प्रोजेक्ट को वेल्स फिल्म इंटरनेशनल द्वारा बनाया जाएगा।

मिथुन की बहू मदालसा ने क्यों छोड़ी थी साउथ इंडस्ट्री ? बताई चौंकाने वाली वजह

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की बहू, अभिनेत्री मदालसा शर्मा टीवी का जाना-माना चेहरा हैं। अनुपमा में काव्या शाह के किरदार ने उन्हें घर-घर में मशहूर किया था। बहुत कम लोगों को पता होगा कि मदालसा ने अपना फिल्मी डेब्यू साउथ इंडस्ट्री से किया था। उनकी तेलुगु फिल्म फिटिंग मास्टर थी, जो 2009 में रिलीज हुई थी। एक दिन, मदालसा ने साउथ इंडस्ट्री छोडने् का फैसला किया, जिसके पीछे चौंकाने वाली वजह थी। अभिनेत्री ने अब खुलासा किया है। मदालसा ने कहा, एक भी अनुभव सुखद नहीं थे मेरे वहां पे, जो मुझे लगा कि मैं नहीं कर पाऊंगी। वह रास्ता मैं नहीं ले पाऊंगी। कास्टिंग काउच और वो सब। मुझे लगता है, यह हर जगह है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे याद नहीं, मैं 17 साल की थी। कुछ साल हो गए, लेकिन मुझे याद है कि मुझे असहज महसूस हुआ और मैं बस बाहर चली गई, और मैंने खुद से कहा, चलो बॉम्बे वापस चलते हैं। मदालसा ने जिंदगी के लक्ष्य पर बात करते हुए कहा, एक लक्ष्य होता है ना हर एक इंसान का जहां वे चाहते हैं वहां पहुंचना। मेरा लक्ष्य महत्वाकांक्षा है, सब कुछ है; मगर वो उतना ज्यादा नहीं है कि मैं उसको खुद पे हावी होने दूं। मेरे फैसले उसी के आधार पर हैं। मदालसा को आखिरी बार विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स में देखा गया था। ये फिल्म इसी साल 5 सितंबर, 2025 को रिलीज हुई थी।(आरएनएस)

दुलकर सलमान की कांथा का टाइटल ट्रैक रेज आफ कांथा जारी

निर्देशक सेल्वामणि सेल्वराज की बहुप्रतीक्षित फिल्म कांथा के निर्माताओं ने फिल्म के जोशीले टाइटल ट्रैक रेज आफ कांथा को रिलीज कर दिया है। जिसे लेकर दुलकर सलमान के फैंस काफी उत्साहित हैं। दुलकर सलमान ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म कांथा का टाइटल ट्रैक जारी किया और साथ ही कैप्शन में लिखा, आपके भीतर की आग अब एक उग्र साउंडट्रैक है। रेंज आफ कांथा वीडियो अभी जारी। रिलीज़ होने के मात्र 32 मिनट बाद ही ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा है। यह गहन, चरित्र-प्रधान रचना तमिल और तेलुगु को एक शक्तिशाली रैप शैली के एकल ट्रैक में मिलाती है, जो संस्कृतियों, भाषाओं और भावनाओं में एकता की भावना को प्रतिध्वनित करता है। यह गीतात्मक वीडियो विद्रोह, साहस और महत्वाकांक्षा का एक ध्वनिमय अवतार है। ज्ञानू चंथर द्वारा रचित, संगीत भारत की विविध पहचान के द्वंद्व और सामंजस्य को दर्शाता है। रैप से प्रेरित छंद तमिल और तेलुगु में गर्जना करते हैं, जो भारत की विविध पहचान को प्रतिबिंबित करने के लिए सहजता से गुंथे हुए हैं। शक्तिशाली गिटार और गीतात्मक महारत के साथ मिश्रित धड़कती धुनें, एक रोमांचक नए स्वरूप में पुराने तत्वों का समावेश करती हैं, जो दर्शाता है कि हम फिल्म से क्या उम्मीद कर सकते हैं। कांथा के निर्माताओं द्वारा निर्मित, यह एंथम इस फिल्म के लिए माहौल तैयार करता है, जो एक पीरियड ड्रामा थ्रिलर है जिसमें दुलकर सलमान, समुथिरकानी और भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका में हैं। सेल्वमणि सेल्वराज द्वारा निर्देशित, कांथा 14 नवंबर, 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

मायसा में होगा रश्मिका मंदाना का सोलो लीड रोल, एक्शन करने की शौकीन हैं श्रीवल्ली

एक साल भर जबरदस्त एक्शन और रोमांच से भरी फिल्मों के बाद अब दर्शकों के लिए एक और सरप्राइज मायसा आ रहा है, जिसमें लीड रोल में नजर आएंगी टैलेंटेड और खूबसूरत रश्मिका मंदाना। आफिशियल अनाउंसमेंट से पहले ही यह फिल्म चर्चा में है, जिसकी सबसे बड़ी वजह है रश्मिका का नया दमदार लुक और इसकी दिलचस्प कहानी। मायसा में हम रश्मिका को एक्शन करते हुए भी देखने वाले हैं।

दीवाली के मौके पर मायसा के मेकर्स ने फिल्म का नया मोशन पोस्टर रिलीज़ किया, जिसमें रश्मिका एक दमदार सिल्हूट में नजर आ रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में रश्मिका ने कहा कि उन्हें एक्शन फिल्मों में काम करना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे एक्शन सिनेमा करना बहुत अच्छा लगता है और मैं अभी एक कर रही हूं मायसा।

रोमांच को और बढ़ाते हुए, मेकर्स ने बताया कि फिल्म की एक खास झलक जल्द ही फैंस के लिए रिलीज़ की जाएगी। मायसा इस साल की सबसे रोमांचक फिल्मों में से एक बनने जा रही है।

मायसा के मेकर्स ने हाल ही में एक नया पोस्टर जारी किया है, जिसमें रश्मिका मंदाना एक जबरदस्त नए लुक में नजर आ रही हैं। खून से सना चेहरा, खुले बाल और हाथ में तलवार लिए रश्मिका बहुत ताकतवर दिख रही हैं।

अनफार्मूला फिल्म्स के बैनर तले बनी और रविंद्रा पुल्ले द्वारा बनाई गई मायसा एक इमोशनल एक्शन फिल्म है, जो जंगलों में रहने वाले लोगों की कहानी पर आधारित है। फिल्म में सुंदर दृश्य, दिल को छू लेने वाली कहानी और रश्मिका का शानदार अभिनय देखने को मिलेगा। (आरएनएस)

शॉर्ट ड्रेस में रकुल प्रीत सिंह ने दिए सिजलिंग पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की बेहद ही शानदार फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अवतार देखकर लोगों की नजरें उनपर से हटा पाना मुश्किल हो गया है।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने शॉर्ट ड्रेस में कई पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कहा आयशा पूछ रही हैं कि झूम शराबी कैसा लगा? झूम शराबी गाना फिल्म देदे प्यार दे 2 का हैं, जिसे हनी सिंह ने गाया हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

रकुल प्रीत सिंह की तस्वीरों को फैंस लाइक कर रहें हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा हैं आप मेरे दिल की रानी हो। एक दूसरे यूजर ने लिखा हैं आपको और देखना चाहता हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं और इंस्टाग्राम पर भी उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।(आरएनएस)

एसआईआर शुरू करने में राजनीतिक बाधा

अजीत द्विवेदी

चुनाव आयोग मतदाता सूची की सफाई के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर का दूसरा चरण शुरू कर चुका है। अगले साल चुनाव वाले चार राज्यों के साथ साथ 12 राज्यों में यह प्रक्रिया चलेगी। इन 12 राज्यों में मतदाता सूची फ्रीज कर दी गई है और चार नवंबर से पहले चरण यानी मतगणना प्रपत्र भरे जाने की शुरुआत होगी। नौ दिसंबर को मसौदा मतदाता सूची जारी की जाएगी और एक महीने तक आपत्ति, दावे लिए जाएंगे। सात जनवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। इन 12 राज्यों से पहले चुनाव आयोग ने एसआईआर की प्रक्रिया का बिहार में परीक्षण किया था, जो सफल रहा है।

अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में चुनाव आयोग ने इस कामयाबी का जिक्र भी किया। हालांकि आयोग ने यह नहीं बताया कि बिहार में उसके काम में कितनी बाधाएं आईं और राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों को कैसी लड़ाई लडऩी पड़ी। बिहार में एसआईआर को लेकर जो मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा उसकी सुनवाई अभी चल ही रही है। इसी आधार पर कई पार्टियां और सामाजिक कार्यकर्ता सवाल उठा रहे हैं कि जब मामला सुप्रीम कोर्ट में विचारधीन है और अंतिम फैसला नहीं आया है तो चुनाव आयोग को दूसरे राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया नहीं शुरू करनी चाहिए थी। हालांकि उसमें आयोग यह तर्क दे सकता है कि सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में भी एसआईआर पर रोक नहीं लगाई थी इसलिए दूसरे राज्य में इसे शुरू करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है।

ठीक बात है कि दूसरे राज्य में इसे शुरू करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है लेकिन राजनीतिक बाधा है और कुछ सवाल अब भी अनसुलझे हैं। जैसे बिहार में 10 हजार ऐसे लोगों के नाम कटे हैं, जिनको नाम काटने वाली किसी श्रेणी में नहीं रखा गया है। इसी तरह स्थायी रूप से शिफ्ट हो जाने की जो श्रेणी है उसे लेकर भी आपत्ति है क्योंकि स्थायी रूप से बहुत कम लोग शिफ्ट होते हैं। ज्यादातर लोग अंततः वापस लौटते हैं और अपने स्थायी पते के ही वासी होते हैं। कोरोना के समय या दूसरे आर्थिक संकट के समय यह देखने को मिला है कि लोग अपने घरों को लौटे हैं।

स्थायी रूप से शिफ्ट हो जाने वाली श्रेणी में सबसे ज्यादा नाम कटे हैं। तभी चुनाव आयोग को बहुत सावधानी बरतने की जरुरत होगी ताकि ऐसे लोगों के नाम नहीं कटें, जो अपने स्थायी पते पर नहीं रहते हैं लेकिन दूसरी जगह के मतदाता नहीं हैं और स्थायी पते पर ही मतदाता बने रहना चाहते हैं। ऐसे प्रवासियों के लिए बूथ लेवल अधिकारी के तीन बार उसके पते पर जाने का नियम पर्याप्त नहीं है। बिहार में ऐसा देखने को मिला कि बूथ लेवल अधिकारी यानी बीएलओ तीन बार तो छोड़िए एक बार भी लोगों के घरों तक नहीं पहुंचा। कई जगह सफाईकर्मी या दूसरे कर्मचारियों के हाथों मतगणना प्रपत्र भेजे गए। खाली घरों के आसपास ज्यादा से ज्यादा एक बार पूछताछ हुई और नाम काट दिया गया। अस्थायी रूप से कहीं गए लोगों के भी नाम कटे।

चुनाव आयोग को यह ध्यान रखना होगा कि एसआईआर की प्रक्रिया उसने मतदाता सूची की सफाई के लिए चलाई है, लोगों के मताधिकार छीनने के लिए नहीं। उसकी कोशिश यह होनी चाहिए कि मृत मतदाताओं या एक से ज्यादा जगहों पर दर्ज नाम वाले मतदाताओं के नाम काटे लेकिन इस प्रक्रिया में किसी वास्तविक मतदाता का नाम नहीं कटना चाहिए। बिहार के अनुभव के आधार पर उसे इस प्रक्रिया को आम लोगों के लिए सहज और सरल बनाने का प्रयास भी करना चाहिए। जिस तरह की खबरें और तस्वीरें बिहार से एसआईआर की आईं वैसी दूसरे राज्यों से नहीं आनी चाहिए। आयोग को भी पता है कि कैसे बूथ लेवल अधिकारियों ने अपने घरों में बैठ कर मतगणना प्रपत्र भरे और उन्हें जमा कर दिया। कैसे पहले से भरे हुए दो मतगणना प्रपत्र की जगह मतदाताओं को एक प्रपत्र दिया गया। मतदाताओं पर छोड़ दिया गया कि वे इसकी फोटोकॉपी कराएं। मतदाताओं की तस्वीरों के मामले में भी कई तरह की गड़बडियां हुईं। नाम, पता, लिंग आदि की विसंगतियां तो अब भी बड़ी संख्या में मतदाता सूची में हैं। इनका भी ध्यान रखने की जरुरत है।

आधार के मामले में अब भी स्पष्टता नहीं है। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक आधार को 12वें दस्तावेज के तौर पर स्वीकार करने का निर्देश दिया है। लेकिन पहले से ही यह स्थिति स्पष्ट है कि आधार सिर्फ पहचान का दस्तावेज है और यह नागरिकता प्रमाणित करने का दस्तावेज नहीं हो सकता है। तभी कहा जा रहा है कि चुनाव आयोग की 11 दस्तावेजों की जो प्राथमिक सूची है वही मान्य होगी। यानी इन 11 में से कोई एक दस्तावेज दिखाना जरूरी होगी। इस मामले में स्पष्टता होनी चाहिए। यह भी कहा जा रहा है कि आधार पर संदेह होने की स्थिति में बूथ लेवल अधिकारी इसके सत्यापन के लिए दूसरे दस्तावेज की मांग कर सकता है। एसआईआर के दौरान आधार का क्या स्टैटस होगा इसे लेकर जन साधारण को सूचित किया जाना जरूरी है। इसी तरह माता, पिता के दस्तावेजों को लेकर भी बिहार में कुछ जगहों पर आपत्ति की गई थी। शेल्टर होम्स में पले बढ़े लोगों ने इसे चुनौती दी थी। इस मामले में भी कुछ स्पष्टता आनी चाहिए।

चुनाव आयोग ने बिहार के एसआईआर अभियान से सबक लेकर एक बदलाव यह किया है कि पहले चरण में यानी मतगणना प्रपत्र भरे जाते समय किसी तरह के दस्तावेज की मांग नहीं की है। बिहार में मतगणना प्रपत्र भरे जाते समय ही दस्तावेज लिए जा रहे थे, जिससे बहुत लोगों को परेशानी हुई। इस बार बूथ लेवल अधिकारियों की ओर से पहले से आधा भरा हुआ मतगणना प्रपत्र मतदाताओं को दिया जाएगा और उसमें दी गई जानकारी की पुष्टि करके, बाकी जानकारी भर कर और दस्तखत करके उसे लौटाना होगा। उसके बाद मतदाता सूची की पहले से की गई मैपिंग के आधार पर पिछले एसआईआर के बाद बनी मतदाता सूची के साथ उसका मिलान होगा। जिन लोगों के मतगणना प्रपत्र आयोग को नहीं मिलेंगे उनके घरों पर बूथ लेकर अधिकारी जाएंगे और पता करेंगे कि उनकी मृत्यु हो गई है या वे स्थायी रूप से शिफ्ट हो गए हैं।

दूसरे चरण में मतदाताओं से सत्यापन के दस्तावेज लिए जाएंगे। अगर किसी का नाम एक से ज्यादा जगह पर दर्ज है तो उसे कटवाना होगा और अगर मतदाता सूची में नाम नहीं है तो उसके लिए फॉर्म भर कर जरूरी दस्तावेजों के साथ जमा कराना होगा। इस बार चुनाव आयोग ने मतगणना प्रपत्र में अलग से कॉलम जोड़ा है, जिसमें मतदाताओं को बताना है कि आखिरी बार हुई एसआईआर के बाद बनी मतदाता सूची में उसका या उसके माता, पिता का नाम था या नहीं। चुनाव आयोग ने बिहार के अनुभव के आधार पर कुछ चीजों को ठीक किया है लेकिन बुनियादी रूप से प्रक्रिया वैसी ही जैसी बिहार में थी। तभी अगर बिहार जैसी समस्याएं दूसरे चरण में भी आती हैं तो आयोग की मुश्किल बढ़ेगी क्योंकि कई राज्यों में विपक्षी पार्टियों की सरकारें हैं, जो जरा सी गड़बड़ी को बड़ा मुद्दा बना सकती हैं और आयोग से असहयोग कर सकती हैं।

सू- दोकू क्र.047

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.46 का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

और भी जातियों की पार्टियां बनेंगी

हरिशंकर व्यास

नीतीश सरकार की कराई जाति गणना के बाद बिहार में पहला चुनाव है। यह चुनाव कई तरह से राजनीति को बदलने वाला है। आखिरी बार अंग्रेजी राज में 1931 में जाति गणना हुई थी और उसके बाद भी जातियों का ध्रुवीकरण नए तरह से हुआ था। उस समय कांग्रेस के सवर्ण नेतृत्व के खिलाफ यादव, कोईरी और कुर्मी का त्रिवेणी संघ बना था, जिसने 1937 के चुनाव में कई इलाकों में कांग्रेस को हरा दिया था। हालांकि कांग्रेस के मजबूत संगठन, आजादी की लड़ाई के बड़े लक्ष्य और अगड़ी जातियों की ओर से हुए अति हिंसक प्रतिरोध की वजह से त्रिवेणी संघ आगे नहीं चल सका। उसके बाद अब पहली बार जातियां गिनी गई हैं और चुनाव हो रहा है। इस चुनाव में जातियों का नया ध्रुवीकरण तो दिख ही रहा है साथ ही आबादी के हिसाब से छोटी से छोटी जाति भी राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए बड़ी जातियों के साथ प्रतिस्पर्धा करती दिख रही है।

पटना में अशोक गहलोत द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करने के साथ ही मल्लाह जाति से आने वाले मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करना इसी राजनीति का नमूना है। राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन ने सन ऑफ मल्लाह' के नाम से अपनी ब्रांडिंग करने वाले मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का दावेदार बना कर अत्यंत पिछड़ी जातियों को मैसेज दिया है कि महागठबंधन के साथ उनको सत्ता में हिस्सेदारी मिलेगी। अति पिछड़ी जाति के प्रतिनिधि चेहरे के तौर पर मुकेश सहनी के अलावा आईपी गुप्ता का चेहरा भी सामने लाया गया है। महागठबंधन ने उनको सहरसा की सीट दी है। वे तांती समाज से आते हैं।

करीब 25 लाख की आबादी वाले इस समाज के लोगों ने आईपी गुप्ता की अपील पर पटना का गांधी मैदान भर दिया था। यह शुरुआत है। आने वाले दिनों में ऐसी जातियों की संख्या बढ़ेगी, जिनके नेता सामने आकर जाति को पहचान दिलाने का आंदोलन शुरू करेंगे। बिहार में जाति गणना के मुताबिक 36 फीसदी आबादी अति पिछड़ी जातियों की है, जिसमें 26 फीसदी हिंदू अति पिछड़ी जातियां हैं। इस 26 फीसदी आबादी में कुल 80 जातियां आती हैं, जिनमें से सिर्फ तीन जातियां ऐसी हैं, जिनकी आबादी दो फीसदी से ज्यादा है। लेकिन इन दो फीसदी वाली जातियों के साथ साथ बाकी जातियां भी अपने प्रतिनिधत्व के लिए लड़ रही हैं। देश के कई राज्यों में जातियों का राजनीतिक सशक्तिकरण पहले हो चुका है और उनकी लड़ाई सेटल हो चुकी है। लेकिन बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अब जाकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व की जंग शुरू हुई है। आने वाले दिनों में हर जाति की पार्टी बनेगी। उसके नेता राजनीतिक सत्ता में हिस्सेदारी मांगेंगे।

2020 के चुनाव के बाद जब सरकार बनी तब भाजपा ने नोनिया समाज से आने वाली अति पिछड़ी जाति की रेणु देवी को उप मुख्यमंत्री बनाया था। भाजपा की ओर से लगातार इस बात का प्रचार किया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अति पिछड़ी जाति से आते हैं। चूंकि यह समुदाय एक समरूप समाज नहीं है इसलिए इनका कोई सर्वमान्य नेता नहीं है तो नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार को इसका लाभ मिलता रहा है। अब लालू यादव परिवार और कांग्रेस की ओर से भी इस समूह पर दांव खेला जा रहा है। इसके अलावा अति पिछड़ी जातियों को भी हर जाति की आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने का काम हो रहा है। लगभग सभी पार्टियों ने टिकट बंटवारा करने के बाद जो सूची जारी की उसमें उम्मीदवारों की जाति बताई। उप जातियों का भी जिक्र किया। नीतीश कुमार की पार्टी ने अपनी सूची में अपने आधार वोट यानी कोईरी, कुर्मी और धानुक को सबसे ज्यादा सीटें दीं और उसके बाद पार्टी ने अत्यंत पिछड़ी जातियों में से जिस जाति को जितनी सीटें दीं उसका जिक्र अलग से किया। कहा जा सकता है कि सामाजिक स्तर पर एकजुट रहे जातीय समूहों को राजनीतिक लाभ हानि के लिए अलग अलग समूहों में विभाजित किया जा रहा है। इसकी वजह से आने वाले दिनों में जाति आधारित पार्टियों का विस्फोट होना है। अभी बिहार में यादव, कोईरी, कुर्मी, तांती, पासवान, मांझी आदि की पार्टी बन गई है। आने वाले समय में और भी जातियों की पार्टियां बनेंगी।

मुख्यमंत्री से माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले 16 वर्षीय बालक सचिन कुमार ने की शिष्टाचार भेंट

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में आज मई 2025 में माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले 16 वर्षीय बालक सचिन कुमार ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने सचिन कुमार को उनके इस अद्भुत और साहसिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी कम उम्र में एवरेस्ट जैसी विश्व की सबसे ऊँची चोटी को फतह करना साहस, दृढ़ निश्चय और परिश्रम का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सचिन कुमार ने न केवल अपने परिवार और प्रदेश का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए एक नई प्रेरणा स्थापित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की भूमि वीरता और पराक्रम की भूमि है, और प्रदेश के युवा लगातार विभिन्न क्षेत्रों में देश का नाम ऊँचा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल, साहसिक गतिविधियों और पर्वतारोहण के क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएँ चला रही है।

सचिन कुमार ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलकर अत्यंत प्रेरणा मिली है और वे आगे भी देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

ग्रामीणों ने की सड़क डामरीकरण की मांग

संवाददाता

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी से ख्याडी गांव के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर नैनीसैंण-कालूसैंण-सांकरी कच्चे मोटर मार्ग का शीघ्र डामरीकरण करने की मांग की।

आज यहां ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी से जनपद चमोली के कर्णप्रयाग क्षेत्र के खत्याड़ी गांव से आए एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सेवानिवृत्त सूबेदार लेफ्टीनेंट नन्द किशोर थपलियाल ने किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री गणेश जोशी को ज्ञापन सौंपते हुए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कालूसैंण से सेरापाखुडी होते हुए नैनीसैंण-कालूसैंण-सांकरी कच्चे मोटर मार्ग का शीघ्र डामरीकरण करने की मांग की। मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिनिधिमंडल की मांग पर सकारात्मक आश्वासन देते हुए जल्द कार्रवाई करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त सूबेदार राजेंद्र सिंह मनराल, विजय प्रसाद जोशी, योगेश्वर थपलियाल, उमा मनराल सहित अन्य ग्रामीण भी उपस्थित रहे।

डीएम के प्रोजेक्ट 'उत्कर्ष'' से आधुनिक.. ◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

10 सीसीटीवी कैमरे, 150 जोड़ी ट्रेकसूट, जूते, तथा 2 सेनट्री मशीन की क्रय प्रक्रिया गतिमान है। विद्यालय के 150 कुर्सी, 50 डबलडेकर बेड, 7 गीजर दिए जा रहे हैं। डीएम द्वारा केजीबीवी संशाधन एवं सुविधा बढाने हेतु 34.24 लाख ध नराशि दी गई है।

स्कूलों में सुविधा हेतु प्राजेक्ट उत्कर्ष अन्तर्गत जिलाधिकारी ने 1 करोड़ ध नराशि मुख्य शिक्षा अधिकारी के निर्वतन पर रखी है, जिसमें विकासखण्डवार प्रथम चरण में 94 लाख धनराशि तथा द्वितीय चरण में 97.80 लाख धनराशि आंवटित की गई है।

जिले के विद्यालयों में 18.41 लाख धनराशि से वाईटबोर्ड उपलब्ध करा दिए गए है। 348 विद्यालयों में 27 लाख से पानी की टंकी तथा 754 विद्यालयों में 47. 26 लाख से मंकी नेट लगाए गए हैं। 246 विद्यालयों में 23.26 लाख झूले, 337 विद्यालयों में 29.75 लाख से बेबी स्लाइड लगाए गए हैं। 46 विद्यालयों में 11.39 लाख से बालीबाल कोर्ट हैण्डबाल कोर्ट, 109 विद्यालयों में 39.35 लाख से बैडमिंन्टन कोर्ट, 93 विद्यालयों में 12.60 लाख से पेंटिंग एवं सौन्दर्यीकरा कार्य किया गया है। जिलाधिकारी की पहल पर प्रत्येक स्कूल में न्यूजपेपर, मैगजीन, शब्दकोश और महापुरुषों की जीवनी, ज्ञानवर्धक कामिक्स आदि रखी गई है।

मांगों को लेकर अधिवक्ताओं का धरना तीसरे दिन भी जारी

संवाददाता

देहरादून। पुराने जिला अदालत परिसर पर रैन बसेरा बनाये जाने के विरोध में अधिवक्ताओं का धरना तीसरे दिन भी जा रहा।

आज यहां बार एसोसिएशन के आहवान पर अधिवक्ता तीसरे दिन भी कार्य से विरत रहकर धरना दिया। अधिवक्ताओं का कहना था कि पुराने जिला जज कार्यालय परिसर की भूमि पर रैन बसेरा बनाये जाने का विरोध के साथ ही उक्त भूमि अधिवक्ताओं को आवंटित की जाये। अधिवक्ताओं का कहना था कि पुराने जिला जज वाली भूमि को अधिवक्ताओं को आवंटित की जाये तथा नये चैम्बर अधिवक्ताओं को सरकार के द्वारा बनाकर दिये जायें। अधिवक्ताओं का कहना है कि नए जिला जज अदालत परिसर में लगभग पांच हजार वकील, टाइपिस्ट, स्टाम्प वेंडर और मुंशी सहित लगभग दस हजार लोगों के चेंबर निर्माण की आवश्यकता है लेकिन उन्हें केवल पांव बीघा भूमि लीज पर दी गयी है जो पर्याप्त नहीं है।

इसलिए बार ने विवादित भूमि पर रैन बसेरा बनाने के बजाय चेंबरों का निर्माण करने की मांग रखी है। सम्पर्क करने पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल ने बताया कि अधिवक्ता काफी समय से मांग कर रहे थे कि कचहरी पुरानी जेल परिसर में जा रही है। जिसमें अधिवक्ताओं के लिए चैम्बर बनाये जाने है। जिसके लिए प्रदेश सरकार को अधिवक्ताओं की स्थिति को ध्यान में रखते हुए चैम्बर बनाकर देने चाहिए। इसके साथ ही जिलाधिकारी पुराने कार्यालय की जमीन भी बार एसोसिएशन को आवंटित करनी चाहिए अपनी इन्हीं मांगों को लेकर आज अधिवक्ताओं ने दो घंटे कार्य से विरत रहते हुए धरना दिया है। इसके पश्चात भी अगर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो धरने के बाद आगे की रणनीति तय की जायेगी। इस दौरान अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर के पास धरना दिया। धरने पर बैठने अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल, दीपक कुमार, अजय त्यागी, राजेश ममंगाई, विजय भूषण पाण्डे, राकेश गुप्ता, राजवीर सिंह, गोविन्द राम, विपुल नौटियाल, चन्द्रशेखर तिवारी, संजीव शर्मा, चारू शर्मा, गौरव कुमार आदि शामिल रहे।

चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक गिरफ्तार

संवाददातरा

उत्तरकाशी। पुलिस ने चोरी की मोटरसाईकिल के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार थाना धरासू पुलिस की टीम द्वारा चोरी की घटना का 5 घण्टे के अन्दर सफल खुलासा कर एक को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया गया है। बीते रोज सुमन बडोनी, निवासी बडेथी चिन्यालीसौड द्वारा थाना धरासू पर तहरीर देते हुये बताया गया कि 10-11 नवंबर की रात्रि में चोरों द्वारा भैरव देवता मन्दिर आदर्श कॉलोनी, हवाई पट्टी मार्ग चिन्यालीसौड़ में चोरी एंव तोडफोड, भैरव देवता मन्दिर धनपुर नागणी में कलश एंव विद्युत उपकरण क्षतिग्रस्त करने, नगर क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा लगाई गयी तिरंगा लाईट को क्षतिग्रस्त करने का प्रयास तथा विनोद सिंह मेहरा पुत्र शिव सिंह मेहरा निवासी धनपुर नागणी के घर से पल्सर मोटरसाईकिल को चोरी की गयी है।

तहरीर के आधार पर पुलिस द्वारा थाना धरासू पर मुकदमा दर्ज किया गया। उक्त घटना के शीघ्र खुलासे हेतु पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी श्रीमती कमलेश उपाध्याय द्वारा सम्बन्धित पुलिस अधिकारियों को जरुरी निर्देश दिये गये। घटना के खुलासा तथा गिरफ्तारी हेतु पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक धरासू की देखरेख में थाना धरासू पर एक टीम का गठन किया गया। उक्त पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन तथा सुरागरसी-पतारसी करते हुये मात्र 5 घंटे के अंदर घटना का सफल खुलासा किया गया तथा चोरा की घटना में संलिप्त प्रकाश नाम के एक व्यक्ति को सांय को चिन्यालीसौड, देवीसौड से आगे जोगत रोड से गिरफ्तार किया गया जिसके कब्जे से चोरी हुयी मोटर साईकिल(पल्सर) के अतिरिक्त मन्दिर से चुराई गयी नगदी, चोरी की गयी नकदी से खरीदा सामान बरामद हुआ है। पूछताछ में उसने अपना नाम प्रकाश सिंह चौहान पुत्र कमल सिंह चौहान निवासी धरासू उत्तरकाशी बताया। पुलिस ने उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

14 से आंगनबाडी कर्मचारी करेंगे अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। मांगे पूरी नहीं हुई तो 14 से आंगनवाडी कर्मचारी संघ अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन करेंगे।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए आंगनवाडी कर्मचारी संघ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुशीला खत्री ने कहा कि आंगनवाडी कार्यकत्रियां लम्बे समय से अपनी मांगों एवं समस्याओं के लिए सरकार व विभाग से समाधान हेतु निवेदन करती चली आ रही हैं लेकिन सरकार व विभाग द्वारा उनकी समस्याओं को अनदेखा किया जा रहा है। विगत कई वर्षो में सरकार का ध्यान अपनी मांगों की ओर आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री आवास व सचिवालय घेराव कई बार किया गया। वर्ष 2024 में आंगनवाडी कार्यकत्रियों का आन्दोलन चला जिसमें सरकार द्वारा आश्वासन दिया गया कि मानदेय वृद्धि के लिए

कमेटी का गठन किया जायेगा लेकिन वह कमेटी केवाल कागजों तक ही सीमित रह गयी उस कमेटी का क्या निर्णय हुआ अभी तक हमें नहीं पता चला। उन्होंने कहा कि 30 अक्टूबर को संगठन द्वारा एक विशाल रैली का आयोजन कर सचिवालय घेराव किया गया जिसमें उनको मुख्यमंत्री के कोर्डिनेटर हरीश कोठारी ने आकर आश्वासन दिया था कि 10 नवम्बर तक मुख्यमंत्री राज्य स्थापना दिवस के कार्यक्रम में व्यस्त है उसके बाद संघ के प्रतिनिधियों की वार्ता मुख्यमंत्री से करायी जायेगी। 12 नवम्बर भी जा चुकी है लेकिन अभी तक संगठन से किसी ने सम्पर्क नहीं किया। आंगनवाडी कार्यकर्ताओ की पूरी अनदेखी की जा रही है। सरकार की अनदेखी के कारण बाध्य होकर प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में निर्णय लिया गया कि 14 नवम्बर से अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन एवं कर्मिक अनशन शुरू किया जायेगा एवं कर्मबद्ध तरीके से आन्दोलन जारी रहेगा।

कैबिनेट बैठक खत्म, 12 प्रस्ताव आए

❑उपनल अब विदेशों में भी कर्मचारियों को नियुक्त करेगा

संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट की बैठक में आये 12 प्रस्तावों में से उपनल को विशेष दर्जा दिया गया जिसके तहत अब उपनल विदेशों में भी कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकेगा।

आज यहां उत्तराखंड कैबिनेट बैठक खत्म हो गयी। 12 प्रस्ताव कैबिनेट बैठक में आए जिसमें शहरी विकास विभाग के प्रस्ताव पर मुहर लग गयी तथा शहरी विभाग निदेशालय पीएमयूके गठन को मंजूरी मिल गयी। जिसमें 4 पद स्वीकृत हुए। बैठक में वित्त विभाग में टेंडर प्रक्रिया में इंश्योरेंस के तहत बीमा की भी गारंटी होगी। इसके साथ ही कार्मिक विभाग के तहत दैनिक वेतन, संविदा कर्मियों के लिए नियमतिकरण के लिए कटऑफ डेट के लिए समिति का गठन किया जाएगा। आपदा प्रबंधन पुनर्वास के तहत उत्तरकाशी के धराली में जो आपदा आयी थी साथ प्रदेश में जो आपदा आयी थी, उसमें मृत व्यक्तियों के परिजनों को 5 लाख देने पर सहमति, पक्के मकान के 5 लाख देने पर भी सहमति हुई है। कमर्शियल संम्पति पर केस टू केस निर्णय लिया जाएगा। नियोजन विभाग के तहत उत्तराखंड में निवासरत परिवारों के लिए आईडी बनेगी। देवभूमि परिवार योजना के तहत आईडी बनेगी। उपनल कर्मचारियों की मांग पर कैबिनेट ने समिति बनाई। कैबिनेट की उप समिति बनाई गई दो महीने के भीतर रिपोर्ट देगी। उपनल अब विदेशों में भी कर्मचारियों के लिए नियुक्ति करेगा। भारत विदेश मंत्रालय में उपनल रजिस्ट्रेशन करेगा।

कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार के घायल होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बैंक कालोनी अधोईवाला निवासी शिवम सिंह नेगी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि जब वह बाजार से घर वापस जा रहा था। जब वह चूना भटटा पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा तभी पीछे से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

राज्यपाल से महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की सदस्य स्नेह राणा ने की भेंट

सवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह से महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की सदस्य स्नेह राणा नेभेंट की।

आज यहां राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) से राजभवन में महिला क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम की सदस्य एवं उत्तराखण्ड की बेटी, क्रिकेटर स्नेह राणा ने शिष्टाचार भेंट की। राज्यपाल ने स्नेह राणा को स्मृति चिन्ह भेंट किया और शॉल ओड़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार जीत पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि न केवल देश के लिए, बल्कि पूरे उत्तराखण्ड के लिए गर्व का विषय है।

उन्होंने कहा कि स्नेह राणा ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, समर्पण और कठिन परिश्रम से देश और प्रदेश दोनों का नाम रोशन किया है। राज्यपाल ने कहा कि स्नेह राणा जैसी खिलाड़ी उत्तराखण्ड की बेटियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश की युवा खेल प्रतिभाओं को नई दिशा और उत्साह प्रदान करेगी। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड की बेटियों में असाधारण क्षमता और प्रतिभा है। स्नेह राणा इसका जीवंत उदाहरण हैं, उन्होंने जो ठान लिया, उसे पूरा कर दिखाया।

राज्यपाल ने स्नेह राणा को आगामी प्रतियोगिताओं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर क्रिकेटर स्नेह राणा की माता विमला राणा भी उपस्थित रहीं।

थाना दिवसः पुलिस ने सुनी जनता की समस्याएं, किया त्वरित निस्तारण

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। थाना दिवस आयोजन के अवसर पर पुलिस ने जनता की समस्याए सुनते हुए उनका त्वरित निस्तारण किया गया है।

थाना बलुवाकोट परिसर में आज थानाध्यक्ष मेघा शर्मा की अध्यक्षता में थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय वरिष्ठ नागरिक, युवा वर्ग, सी.एल.जी. सदस्य, व्यापार मंडल, टैक्सी यूनियन एवं अन्य संभ्रांत व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। उपस्थित लोगों द्वारा अपनी विभिन्न समस्याओं एवं सुझावों से पुलिस को अवगत कराया गया, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया। थाना दिवस के दौरान उपस्थित नागरिकों को साइबर अपराध से बचाव, महिला उत्पीड़न, सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति एवं नए कानूनों के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112, 1090, 1930, 1933 आदि के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री ने राज्योत्सव के सफल आयोजन पर मंत्रीमंडल का जताया आभार

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य स्थापना की रजत जयंती के सफल आयोजन पर मंत्रीमंडल का आभार व्यक्त किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य स्थापना रजत जयंती (राज्योत्सव) के विशेष अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राज्य को दिए गए मार्गदर्शन के लिए मंत्रिमंडल ने आभार व्यक्त किया। कैबिनेट ने अपने आभार में कहा कि राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी मार्गदर्शन से उत्तराखंड राज्य को सतत विकास, लोक कल्याण और नवाचार के पथ पर आगे बढ़ाने की दिशा में संकल्प और भी सुदृढ़ हुआ है।

मंत्रिमंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में मिले इन प्रेरक संदेशों से प्रदेश गठन के मूल लक्ष्यों की प्राप्ति तथा प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार निरंतर तत्पर रहेगी। साथ ही, कैबिनेट द्वारा समस्त कर्मचारियों व जनता का सहयोग एवं सहभागिता सुनिश्चित करने का भी आह्वान किया गया है।

मोटर मार्ग को पक्का करने की मांग को लेकर किया मुख्यमंत्री आवास कूच

संवाददाता

देहरादून। चिलरखाल-लालढांग मोटर मार्ग निर्माण संघर्ष समिति ने मोटर मार्ग को पक्का करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री आवास कूच किया।

आज यहां चिलरखाल-लालढांग मोटर मार्ग निर्माण संघर्ष समिति के कार्यकर्ता परेड ग्राउंड में एकत्रित हुए जहां से उन्होंने मुख्यमंत्री आवास कूच किया। वह परेड ग्रांउड से कनक चौक, राजपुर रोड होते हुए दिलाराम चौक से मुख्यमंत्री आवास के लिए पहुंचे जहां पर पुलिस ने बैरकेडिंग लगाकर उनको रोक दिया। जिसके बाद उन्होंने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि कई दिनों से कोटद्वार-लालढांग गढवाल क्षेत्र की जनता उक्त मोटर मार्ग के निर्माण किए जाने हेतु आन्दोलनरत धरने पर है किन्तु क्षेत्र के जन प्रतिनिधि इस प्रकरण में अभी तक मोन हैं।

उन्होंने कहा कि यह मार्ग राजाजी नेशनल पार्क वन क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। उत्तराखण्ड राज्य बनने से पूर्व से ही समय-समय पर इस कच्चे मार्ग को पक्का बनाने व दो नदियों पर पुल बनाने हेतु क्षेत्र की जनता आन्दोलन करती रही है परन्तु तत्कालीन सरकारों की उदासीनता के कारण मार्ग नहीं बन सका। उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद जनता की आशायें मार्ग बनाने हेतु बलवती हुई परन्तु समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इस मार्ग को वन विभाग से लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरित कर लोक निर्माण विभाग द्वारा कार्य सम्पादित किया जाय।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।